सीआइएमपी में आयोजित अतंरराष्ट्रीय वित्तीय प्रबंधन पर सेमिनार का उद्घाटन करतीं मुख्य अतिथि डा. अनुभा प्रसाद एवं अन्य ● सौ : संस्थान

सीआइएमपी ने की वित्तीय प्रबंधन सम्मेलन की मेजबानी

जासं, पटना : चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट आफ मैनेजमेंट पटना (सीआइएमपी) ने हाईब्रिड मोड में दूसरे अंतरराष्ट्रीय वित्तीय प्रबंधन सम्मेलन की मेजबानी की। इस सेमिनार ने विविध पृष्ठभूमि के अनुसंधान विद्वानों, शिक्षाविदों और उद्योग के पेशेवरों के लिए एक मंच के रूप में कार्य किया, जहां वे एक साथ आए और हरित वित्त, वित्तीय बाजारों, सतत वित्त और वित्तीय समावेशन के क्षेत्र में नवीनतम रुझानों और सर्वोत्तम प्रथाओं के बारे में चर्चा में शामिल हुए। मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद सिडबी की महाप्रबंधक डा. अनुभा प्रसाद ने वित्त में सतत विकास लक्ष्य 2030 की जानकारी दी। मौके पर सीआइएमपी के निदेशक डा. राणा सिंह, सीएओ कुमोद कुमार, प्रो. संतोष कुमार, प्रो. रंजीत तिवारी ने विचार रखे।

Dainik Jagran ! Page.NO-04
Dated: 13-02-2024

चंद्रगुप्त संस्थान द्वारा दूसरा अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय प्रबंधन सम्मेलन का आयोज

पटना संवाददाता। चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट पटना (सीआईएमपी) में हाइब्रिड मोड में दूसरे अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय प्रबंधन सम्मेलन की मेजबानी की। इस सेमिनार ने विविध पृष्ठभूमि के अनुसंधान विद्वानों, शिक्षाविदों और उद्योग के पेशेवरों के लिए एक मंच के रूप में कार्य किया, जहां वे एक साथ आए और हरित वित्त, वित्तीय बाजारों, सतत वित्त और वित्तीय समावेशन के क्षेत्र में नवीनतम रुझानों और सर्वोत्तम प्रथाओं के बारे में चर्चा में शामिल हुए।

कार्यक्रम की शुरूआत प्रोफेसर डॉ. राणा सिंह, निदेशक सीआईएमपी, (संरक्षक, आईएफएमसी), मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. अनुभा प्रसाद (महाप्रबंधक, सिडबी), कुमोद कुमार, सीएओ सीआईएमपी, प्रोफेसर संतोष कुमार, अध्यक्ष (आईएफएमसी,2024) और प्रो. रंजीत तिवारी, संयोजक (आईएफएमसी,2024) द्वारा दीप प्रज्वलित करके की गई।। इसके बाद निदेशक सीआईएमपी ने स्वागत भाषण दिया।

सत्र को आगे डॉ. अनुभा प्रसाद ने संबोधित किया जो सिडबी की महाप्रबंधक और करेफेबा वेंचर्स की संस्थापक हैं। भाषण के दौरान, उन्होंने वित्त में रणनीतिक रोडमैप के प्रभाव, हरित वित्त के महत्व, सतत विकास लक्ष्य 2030 पर ''ग्रीनिंग द फाइनेंस एंड फाइनेंसिंग द ग्रीन'' नोट के साथ प्रकाश डाला।

मुख्य वक्ता (उद्योग), कुमार आनंद, एमडी और प्रमुख, एस क्यूब कैपिटल, सिंगापुर, जो वर्चुअल मोड में शामिल हुए, ने ''हरित बुनियादी ढांचे की आवश्यकता, स्थानीय उत्पाद और सार्वजनिक निजी भागीदारी पर फोकस'' विषय पर अपना मुख्य भाषण दिया।

सम्मानित अतिथि (उद्योग), कुमार अयशकांत, समूह मुख्य निवेश अधिकारी, विप्रो एंटरप्राइजेज, ने अपने वर्चुअल

व्याख्यान में निवेश मनोविज्ञान, निवेशकों के सामने आने वाली समस्याओं और निवेश करते समय बुनियादी बातों के महत्व के बारे में चर्चा की।

सम्मेलन में हरित वित्त, वित्तीय बाजार, सतत वित्त, वित्तीय समावेशन, वित्तीय प्रदर्शन और डिजिटल लर्निंग जैसे विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल थी।

प्राप्त कुल 43 पेपर प्रस्तुतियों में से 29 को स्वीकार किया गया और पंजीकृत किया गया, जिनमें से 28 को सम्मेलन में प्रस्तुत किया गया।

सम्मेलन विभिन्न संस्थानों के शोध पत्र प्रस्तुतियों के साथ 5 समानांतर तकनीकी सत्रों में आयोजित किया गया था। सेमिनार को एक ऐसे मंच के रूप में सावधानीपूर्वक संरचित किया गया था जहां शिक्षाविद, शोधकर्ता और छात्र अपने ज्ञान और दृष्टिकोण का आदान-प्रदान कर सकें। इस सभा ने उपस्थित लोगों को ग्रीन

फाइनेंस, ग्रीन बांड, वित्तीय साक्षरता, वित्तीय समावेशन और पारदर्शिता सहित इन क्षेत्रों के कुछ अग्रणी अधिकारियों से अंतर्दृष्टि प्राप्त करने का एक असाधारण अवसर प्रदान किया।

सम्मेलन में चुंग युआन क्रिश्चियन यूनिवर्सिटी, ताइवान, ओकलाहोमा स्टेट यूनिवर्सिटी, संयुक्त राज्य अमेरिका और पेंसिल्वेनिया स्टेट यूनिवर्सिटी, संयुक्त राज्य अमेरिका सहित कुल 3 विदेशी संस्थानों ने भाग लिया। जबकि सम्मेलन में भाग लेने वाले राष्ट्रीय संस्थानों की संख्या 22 थी, जिनमें आईआईएम रांची, बीआईटी मेसरा, आईआईएम संबलपुर, बीएचयू वाराणसी और अन्य जैसे प्रतिष्ठित संस्थान शामिल थे।

समापन सत्र के दौरान, मुख्य वक्ता (अकादमिक), डॉ. सुदर्शन परमती, प्रोफेसर, स्कूल ऑफ बिजनेस, डंडी विश्वविद्यालय, यूके, ने ''जलवायु परिवर्तन उद्र2 उत्सर्जन और स्थिरता लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए उत्सर्जन में कमी'' विषय पर अपना मुख्य भाषण दिया।

इसके अलावा, वि
अतिथि (अकादमिया),
गोपाल कृष्ण सारंगी, एसो
प्रोफेसर, टेरी स्कूल ऑफ ए
स्टडीज ने ''राज्यों की पुन
पूरकता, स्थिरता और भ
भूराजनीति'' पर प्रकाश डा

अंत में, प्रो. शिवानंद
ने सम्मेलन का सारांश प्रस्तु
और अपने ज्ञानपूर्ण शब
उपस्थित लोगों का उत्साह

सर्वश्रेष्ठ पेपर का पुरस्का
और उनके सह-लेखकों को
पेपर ''द स्पिलओवर इफेक्ट्स
वोलैटिलिटीः द स्टडी
इनोवेशन फॉर कार्बन ए
ईटीएफ'' के लिए 10,000
की पुरस्कार राशि दी गई।

सत्र का समापन प्रोफेसर
कुमार के धन्यवाद प्रस्ता
साथ-साथ प्रतिभागियों को
पत्र वितरण और फरवरी,
में आयोजित होने वाले
अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय प्रबंधन स
की घोषणा के साथ हुआ।

स्थानीय उत्पाद पर करना होगा फोकस

पटना. सीआइएमपी ने हाइब्रिड मोड में दूसरे अंतरराष्ट्रीय वित्तीय प्रबंधन सम्मेलन की मेजबानी की. इस सम्मेलन में सिडबी की महाप्रबंधक और करेकेबा वेंचर्स की संस्थापक डॉ अनुभा प्रसाद ने वित्त में रणनीतिक रोडमैप के प्रभाव, हरित वित्त के महत्व, सतत विकास लक्ष्य 2030 पर 'ग्रीनिंग द फाइनेंस एंड फाइनेंसिंग द ग्रीन' नोट के साथ प्रकाश डाला. मुख्य वक्ता (उद्योग) एमडी और प्रमुख, एस क्यूब कैपिटल सिंगापुर कुमार आनंद, वर्चुअल मोड में शामिल हुए.

Prabhat Khabar
Page.No.04
Dated:13-02-2024